Hindi Murli Quiz 06-08-2015

.

Q.1) **Q. "मीठे बच्चे, कदम-कदम पर जो होता है वह कल्याणकारी है, इस ------ में सबसे अधिक कल्याण उनका होता है जो बाप की याद में रहते हैं।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]

- **A.** ड्रामा,
- **B.** संसार,
- **C.** युग,
- **D.** यात्रा

Q.2) **Q. ड्रामा की जिन बातों को जानने से बच्चे सदा अपार खुशी में रह सकते हैं,उन सब बातों का चयन करें ---**

- **A.** ड्रामानुसार अब इस पुरानी दुनिया का विनाश होना निश्चित है।
- **B.** विनाश में नैचुरल कैलेमिटीज का विशेष पार्ट होगा।
- **C.** विनाश के बाद हमारी राजधानी तो स्थापन होनी ही है।
- **D.** भल अवस्थायें नीचे- ऊपर होती रहेंगी परन्तु इसमें मूँझना नहीं है।
- **E.** सभी आत्माओं का बाप भगवान हमको पढ़ा रहे हैं।

Q.3) **Q. "गीता का ज्ञान जो बाप ने सुनाया था वह फिर प्राय: लोप हो गया। ऐसे नहीं, यह ज्ञान कोई परम्परा चला आता है। कुरान, बाइबिल आदि चले आते हैं, विनाश नहीं होते। परन्तु तुमको जो ज्ञान अभी मैं देता हूँ, इनका कोई शास्त्र बनता नहीं है, जो परम्परा अनादि हो जाए। यह तो तुम लिखते हो फिर खत्म कर देते हो। यह तो सब नैचुरल जलकर खत्म हो जायेंगे। बाबा तुमको राजयोग की शिक्षा देते हैं जिसका फिर भक्ति मार्ग में शास्त्र बनाते हैं तो अगड़म-बगड़म कर देते हैं। जैसे गीता का ज्ञान किसने दिया,उनका नाम बदली कर दिया है।"**

- **A.** True
- **B.** False

Q.4) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	तुम सब हो चैतन्य परवाने,	बाप को शमा भी कहते हैं जो एक बिन्दी है।
B	पहले तुमको पता नहीं था कि आत्मा वा परमात्मा क्या है,	इसलिए देह-अभिमान के कारण विकार बहुत थे।
C	द्वापर में पहले-पहले तुम भी हीरों का शिवलिंग बनाकर पूजा करते हो।	अभी तुमको स्मृति आई है कि हम जब पुजारी बने थे तब मन्दिर बनाये थे।
D	शिव की पूजा तो सब करते हैं,	लेकिन अव्यभिचारी पूजा तो है नहीं।
E	रावण तुमको अज्ञान के घोर अन्धियारे में सुला देते हैं।	ज्ञान तो सिर्फ एक ज्ञान सागर ही बतलाते हैं जिससे सद्गति होती है।

Q.5) **Q. कृपया निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें --**
"यह दयानन्द, अरविन्द घोष आदि तो अभी होकर गये हैं। वो लोग भी ---- आदि सिखलाते हैं, है सब भक्ति। ज्ञान का तो नाम-निशान नहीं।"

- योग
- YOG
- योग्ग़
- योंग
- YOGG

Q.6) **Q. "पूरे कल्प को एक कहानी मिसल बताओ। 5 हजार वर्ष पहले यह भारत सतयुग था, सिर्फ देवी-देवताओं का ही राज्य था। उनको सूर्यवंशी राज्य कहा जाता था। लक्ष्मी-नारायण का राज्य चला 1250 वर्ष, फिर उन्होंने राज्य दिया दूसरे भाइयों क्षत्रियों को फिर उनका राज्य चला। बाप ने आकर पढ़ाया था। जो अच्छी रीति पढ़े वह सूर्यवंशी बनें। जो फेल हुए उनका नाम क्षत्रिय पड़ा। पीछे आधाकल्प बाद फिर वाम मार्ग में गिरते हैं। उन्हों के भी चित्र हैं। शक्ल देवताओं की बनी हुई है। राम राज्य और रावण राज्य आधा-आधा है। यही सत्य नारायण की कहानी है।"**

- **A.** True
- **B.** False

Q.7) **Q. फुल मार्क्स लेने के लिए केवल सही वाक्य चयन करें ---**

- **A.** ☑ सारे ड्रामा को तुम जानते हो। जो पास्ट हो गया है सो फिर फ्युचर होगा फिर पास्ट होगा।
- **B.** ☑ गोप-गोपियाँ तो तुम हो। सतयुग में थोड़े ही होंगे। वहाँ तो होंगे प्रिन्स-प्रिन्सेज।
- **C.** ☑ कृष्ण को गीता का भगवान कह नहीं सकते। वह तो सर्वगुण सम्पन्न देवता है।
- **D.** ☐ अभी तक जो कुछ पढ़ा है, उसे बुद्धि में रखना, बाप जो सुनाते हैं उसे भूलना है।
- **E.** ☑ हम भाई बहिन हैं इस स्मृति से क्रिमिनल आई को खत्म करना है। माया से हार नहीं खानी है।

Explanation: अभी तक जो कुछ पढ़ा है, उसे बुद्धि से भूल, बाप जो सुनाते हैं वही पढ़ना है।

Q.8) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	ब्रह्मा-बाबा तो समझते कि हम जाकर बच्चा बनेंगे तो चलन ही बदल जाती है। `	वहाँ भी जब बूढ़े होंगे तो समझेंगे यह वानप्रस्थ शरीर छोड़ हम किशोर अवस्था में चले जायेंगे।
B	लक्ष्मी-नारायण तो युवा हैं, युवा अवस्था को रजो कहते हैं,	बचपन है सतोप्रधान अवस्था, इसलिए कृष्ण पर लव जास्ती रहता है।
C	कुंवारी कन्या, अधर कुमारी, देलवाड़ा आदि जो भी मन्दिर हैं,	यह तुम्हारे ही एक्यूरेट यादगार हैं। वह जड़, यह चैतन्य।
D	बाबा हमारा बाप है, पढ़ाते भी हैं फिर हमको साथ भी ले जायेंगे,	अपने को आत्मा समझ परमात्मा बाप से ऐसी बातें करनी हैं।
E	बाप कहते हैं अभी तक जो कुछ पढ़ा है उसे बुद्धि से भूल जाओ।	मैं जो सुनाता हूँ वह पढ़ो।

Q.9) **Q. "जैसे सागर के किनारे जाते हैं तो शीतलता का अनुभव होता है ऐसे आप बच्चे मास्टर स्नेह के सागर बनो तो जो भी आत्मा आपके सामने आये वह अनुभव करे कि स्नेह के मास्टर सागर की लहरें सच्चे आत्मिक स्नेह की अनुभूति करा रही हैं क्योंकि आज की दुनिया सच्चे आत्मिक स्नेह की भूखी है। स्वार्थी स्नेह देख- देख उस स्नेह से सबकी दिल उपराम हो गई है इसलिए आत्मिक स्नेह की थोड़ी सी घड़ियों की अनुभूति को भी जीवन का सहारा समझेंगे।"**

- **A.** ◉ True
- **B.** ○ False

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें -------**
"ज्ञान ----- से भरपूर रहो तो स्थूल ----- की प्राप्ति स्वत: होती रहेगी।"

- धन
- धान
- DHAN
- DHN